



कामिनी की अतृप्त कामाग्नि-2

“कहानी का पहला भाग : कामिनी की अतृप्त कामाग्नि-1 तभी अचानक कामिनी को घंटी बजने की आवाज़ आई उसने तुरंत घड़ी की ओर देखा और पाया कि रात के 3 बजे थे। वो एकदम विचलित हो गई और उसे लगा कहीं। उसका पति वापस तो नहीं आ गया। यह सोचते हुए उसने अपनी नाइटी उठा कर [...] ...”

Story By: (menarenaughty)

Posted: Monday, December 30th, 2013

Categories: [कोई मिल गया](#)

Online version: [कामिनी की अतृप्त कामाग्नि-2](#)

कामिनी की अतृप्त कामाग्नि-2

कहानी का पहला भाग : [कामिनी की अतृप्त कामाग्नि-1](#)

तभी अचानक कामिनी को घंटी बजने की आवाज़ आई उसने तुरंत घड़ी की ओर देखा और पाया कि रात के 3 बजे थे। वो एकदम विचलित हो गई और उसे लगा कहीं। उसका पति वापस तो नहीं आ गया। यह सोचते हुए उसने अपनी नाइटी उठा कर पहन ली, और दरवाज़े की तरफ भागी दरवाज़ा खोलते ही जो उसने देखा तो उसके होश ही उड़ गए।

सामने भीम बारिश में भीगा हुआ बिल्कुल नंगा सा खड़ा था। कामिनी ने अपनी फटी हुई आँखों से देखा कि उसने कमर पर एक सफेद रंग का काफ़ी पतला पूरा पारदर्शी कई गजह से छेद वाला, काफ़ी ऊँचा और छोटा सा गमछा बँधा हुआ था।

गमछा कमर के बाईं तरफ से बँधा था और उसकी बाईं जाँघ कमर तक लंबाई में आधी खुली हुई थी। यानी बाईं साइड पर उसके शरीर पर केवल गमछे की गाँठ मात्र थी। यही नहीं गमछा दाईं तरफ से भी फटा हुआ था, जिस वजह से दाईं जाँघ भी कमर से 10 अंगुल नीचे से लंबाई में आधी खुली हुई दिख रही थी।

अब क्योंकि गमछा सफेद पारदर्शी और गीला था। भीम के भीमकाय लंड का आकार भी साफ दिख रहा था। भीम का लंड और गमछे का किनारा दोनों एक ही जगह खत्म हो रहे थे।

इतना सब कुछ कामिनी ने केवल कुछ ही पलों में देख लिया था। लेकिन वो इस बात पर ज्यादा अचम्भित थी कि रात के 3 बजे भीम उसके दरवाज़े पर ऐसी अवस्था में कैसे आ गया ?

इससे पहले कि वो कुछ बोल पाती, भीम ने उससे कहा- आज दोपहर में उसे किसी काम से दूसरे शहर जाना था। इस वजह से वो जल्दी आ गया।

कामिनी यह सुन कर उसके लण्ड को देखने लगी।

तभी भीम बोला- बीबी जी, आप कहीं यह तो नहीं सोच रहीं कि मैं आज धोती पहन कर क्यों नहीं आया? तो मैं आपको बता दूँ कि मेरे पास दो ही धोती हैं और मेरी सूखी हुई धोती आज उड़ कर गोबर में गिर गई। अब क्योंकि आज दोनों ही धोती गीली थीं, तो मैंने गमछा ही पहन लिया। रास्ते में बारिश होने से मैं भीग गया हूँ।

भीम अपनी बातों को कहते हुए कल की तरह ही उकड़ूँ बैठ गया। ऐसा करने से उसका गमछा गीले होने और तनाव के कारण दाईं जाँघ की फटे हुए छोर से 5 अंगुल और फट गया। अब उसकी बाईं जाँघ तो बिल्कुल नंगी थी। दाईं जाँघ भी काफ़ी हद तक नंगी हो गई थी। यह सब इतनी जल्दी हुआ कि कामिनी खड़ी की खड़ी रह गई।

तभी भीम ने कहा- बीबी जी, दूध का बर्तन ले आइए।

कामिनी उसकी बात सुन कर स्तब्ध अवस्था में रसोई की ओर चल दी। उसने यह भी नहीं सोचा कि भीम ने भी उसे उसकी सेक्सी नाइटी में पूरा नंगा देख लिया होगा। कल की तरह ही वो अंदर जाते वक्त से लेकर वापस आने तक केवल भीम के बदन के बारे में ही सोचती रही।

और फिर उसने भीम की तरह ही बैठते हुए दूध का बर्तन भीम को सौंप दिया। उसके पश्चात उसकी नज़रें भीम के लटकते मध्यम आकार वाले अमरूदों जैसे आंडों और 6 इंच लंबे 4 इंच गोलाई वाले लंड पर गईं। जो कि इस वक्त गमछे के ऊपर हो जाने की वजह से पूरे नंगे दिख रहे थे।

इस वक्त भीम उसके सामने, इतने पास पूरा का पूरा नंगा बैठा था। जिस वक्त कामिनी यह सब देख रही थी, उसे नहीं पता था कि उसकी चिकनी चूत भी भीम के सामने बिल्कुल नंगी थी।

यही नहीं उसके वक्ष भी नाइटी के लटकने से पूरे के पूरे साफ नंगे दिख रहे थे। और कल की तरह ही, आज भी भीम ने उसे अपने लंड को देखते हुए देख लिया था। वो बिना कुछ बोले उसी अवस्था में काफ़ी देर तक बैठा रहा। पर क्योंकि आज कामिनी भी उसके सामने नंगी थी, सो उसके लंड ने हरकत करना चालू कर दिया था। अब वो फूल कर बड़ा हो रहा था। ऊपर-नीचे हिल रहा था।

लंड की हरकत से कामिनी को एहसास हुआ कि वो वहाँ दूध लेने के लिए बैठी थी। उसकी नज़रें भीम से चार हो गईं। भीम ने कल की तरह ही उसे प्यार भरी मुस्कान दी। कामिनी एकदम से खड़ी हो गई। उसने भीम के हाथ से दूध का बर्तन ले लिया और मुड़ कर अंदर जाने लगी।

तभी भीम भी जल्दी से खड़ा हो गया और उसने कहा- बीबी जी, अगर आपके पास कोई दूसरा गमछा हो, तो मुझे दे दो क्योंकि मेरा गमछा पूरा गीला हो गया है।

यह सुन कर कामिनी मुड़ी और उसने देखा कि भीम का लंड हवा में तन गया है। गमछा उसके पीछे लटक रहा है।

कामिनी यह देख कर फिर कुछ पलों के लिए वहीं खड़ी रह गई, पर जैसे ही लंड ने फिर से हरकत की, उसने अपनी आँखें बंद कीं और भीम के सवाल के बारे में सोचा।

फिर उसने कहा- तुम रुको, मैं आती हूँ।

और वो अंदर रसोई में चली गई। अंदर जाने के बाद कामिनी ने सोचा कि अगर आज वो

बेशर्म नहीं हुई तो उसे कभी सेक्स का सुख नहीं मिलेगा। उसने सोचा कि अब तो वो भीम के साथ सेक्स ज़रूर करके रहेगी।

यही सोचते हुए वो बाहर आ ही रही थी कि उसने कपड़े के फटने की आवाज़ सुनी। उसने देखा कि भीम वहाँ बिल्कुल नंगा, तने हुए लण्ड के साथ, हाथ में गमछा लिए खड़ा था। वो गमछे को लंड के सामने कुछ ऐसे खड़ा था कि लंड ढक कम, दिख ज्यादा रहा था।

इससे पहले कि कामिनी कुछ बोलती, भीम खुद ही बोल पड़ा- बीबी जी, गमछा गीला होने के कारण पूरा फट गया।

कामिनी को उसकी बात पर यकीन तो नहीं हुआ पर उसे यह समझ में आ गया कि शायद भीम ने यह सब कुछ जानबूझ कर किया है।

तभी कामिनी ने बनते हुए कहा- अरे कोई बात नहीं, तुम अगर मेरी मदद कर दो तो, मैं तुम्हारे लिए गमछा निकाल देती हूँ।

यह सुन कर भीम ने कहा- क्यों नहीं बीबी जी।

“क्या मैं अंदर आ जाऊँ ?”

तो कामिनी ने कहा- क्या तुम बाहर खड़े हुए ही मेरी मदद कर सकते हो ?

यह कह कर उसने भीम को प्यारी सी आमंत्रण देती हुई मुस्कान दी।

भीम भी समझ गया कि शायद बीबी जी को उसकी चालाकी का आभास हो गया है। उसने दूध का बर्तन उठा कर दरवाज़े के अंदर प्रवेश किया और बाजू में रख कर उसने दरवाजा बंद कर दिया। वो अभी भी शराफ़त का नाटक करते हुए गमछे को लंड के सामने लेकर खड़ा था।

यह देख कामिनी ने भी उसे बोतल में उतारने की सोची और उसने कहा- गमछा बेडरूम के

ऊपर की अलमारी में पड़ा है।

और भीम को उसके पीछे आने को कहा। बेडरूम की ओर जाते वक़्त कामिनी को अपने सेक्सी नाइटी और खूबसूरत बदन के प्रदर्शन का अहसास हुआ, और उसमें एक अलग सा आत्मविश्वास पैदा हुआ।

कमरे में पहुँचने के बाद उसने भीम से कहा- घर में कोई सीढ़ी नहीं है इसलिए तुमको मुझे अपने कंधों पर उठाना पड़ेगा। यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं।

यह सुन कर भीम ने कहा- हाँ बीबी जी, क्यों नहीं!

फिर कामिनी ने भीम को घुटनों के बल बैठने को कहा। भीम अभी भी गमछा हाथ में लिए हुए था। तभी कामिनी भीम के सामने से आई और अपनी एक टांग भीम के कंधे पर रख दी।

ऐसा देख कर भीम समझ गया कि कामिनी उसकी चूत चटवाने वाली है।

भीम को देख कर कामिनी ने कहा- अब तुम इसे कस कर पकड़ लो जिससे मैं अपनी दूसरी टांग तुम्हारे के दूसरे कंधे पर रख सकूँ।

ऐसा करने के लिए भीम ने गमछे को बिस्तर पर रख दिया और कामिनी को एक हाथ से पीठ से पकड़ते हुए, दूसरी टांग को उठा कर अपने कंधों पर चढ़ा लिया।

अब कामिनी ने उसे खड़े होने को कहा। खड़े होते वक़्त कामिनी ने नाइटी को ऊपर कर दिया, और भीम के सिर को नाइटी के अंदर करते हुए छोड़ दिया। अब कामिनी की चूत भीम के मुँह के बिल्कुल सामने थी।

भीम ने भी कामिनी से कहा- बीबी जी, मैं आपको ठीक से नहीं पकड़ पाया हूँ, इसलिए

आप ज़रा ऐसे ही रहें तो मैं आपको कस कर पकड़ लूँ।

यह दोनों को अपनी पोजीशन ठीक करने का संदेश था। फिर भीम ने अपने दोनों हाथ नाइटी के अंदर करते हुए कामिनी को उसकी कमर से पकड़ा और फिर एक हाथ कमर के पीछे और दूसरा पीठ पर ले जाकर कामिनी को अपने मुँह की तरफ दबाया।

ऐसा करते ही कामिनी की चूत भीम के होंठों से जा चिपकी। अपनी चूत पर भीम के मादक होंठों के स्पर्श से कामिनी ने एक गहरी साँस ली। जिसका आभास भीम को भी हुआ।

और उसने नाटक जारी रखते हुए कामिनी से कहा- बीबी जी आप मुझे बताती जायें तो मैं वैसे ही मुड़ता जाऊँगा।

कामिनी ने भी ऊपर-नीचे होने का नाटक जारी रखा और जी भर के अपनी चूत को उसे मुँह से रगड़ती रही। अब दोनों को मज़ा आ रहा था तो भीम ने जानबूझ का अपने होंठ खोल दिए और बार-बार साँस ना आने के नाटक के बहाने कामिनी की चूत की गीली-गीली चुम्मियाँ करने लगा।

इस नाटक का फायदा उठाते हुए कामिनी ने पूछा कि क्या नाइटी के अंदर उसे घुटन हो रही है? यदि दिक्कत हो तो वो अपनी नाइटी ऊपर कर दे।

भीम ने भी कहा- हाँ बीबी जी, आप ऊपर करने की जगह अगर थोड़ी देर उसे उतार दें तो दोनों का काम आसान हो जाएगा।

कामिनी भी तो यही चाहती थी। अगले ही क्षण कामिनी ने नाइटी उतारकर बिस्तर पर दूर फेंक दी।

अब कामिनी और भीम दोनों ही नंगे थे और भीम कामिनी की रसीली चूत खुल के चाटने

लगा था। कामिनी ने नाटक कुछ और देर तक करने की सोची और वो भीम के सिर को अपनी चूत में ज़ोर से घुसाते हुए ऊपर हो गई। भीम समझ गया कि कामिनी चाहती है कि वो अपनी जीभ से उसको चोदे।

अगले ही पल भीम ने अपनी लंबी जीभ कामिनी की चूत में घुसा दी। ऐसा करते ही कामिनी का पानी छूट गया, और वो भीम पर झुक गई। भीम ने सारा पानी चाट लिया और कामिनी को जीभ से चोदना जारी रखा। करीब 10 मिनट की चुदाई के बाद जब घड़ी के घंटे ने 4 बजाए तो भीम ने कामिनी को कंधों से नीचे उतारा। अब दोनों एक-दूसरे के सामने नंगे खड़े थे। अगले ही पल दोनों ने एक-दूसरे को पकड़ कर चूमना चालू कर दिया। फिर 10 मिनट बाद दोनों ही अलग हुए और मुस्कुराने लगे।

कामिनी ने भीम से पूछा- तुम्हें जाना नहीं है ?

तो भीम ने कहा- वो घर से बोल के निकला था कि दो दिन बाद लौटेगा।

कामिनी यह सुन कर आश्चर्य चकित रह गई और उसने पूछा- तुम दो दिन के लिए आए हो ?

भीम बोला- हाँ बीबीजी, कल जब आप अपने पति को छोड़ने नीचे आई थीं, तब मैं आपकी बिल्डिंग से शाम का दूध देकर लौट रहा था। आपको वहाँ देख कर में छुप गया और आप दोनों की बातें सुनने लगा। मैंने सुन लिया था कि आपके पति कह रहे थे कि उन्हें कम से कम दो दिन तो लगेंगे। अगर ज्यादा समय लगेगा तो वो फोन पर बता देंगे। बस फिर क्या था, मैंने रात में ही आने की तैयारी कर ली थी। मैं तीन बजे तक कैसे रुका, यह मैं ही जानता हूँ।

कामिनी यह सुन कर खुश हो गई, और बोल पड़ी- आग दोनों तरफ ही लगी हुई है।

भीम बोला- बीबी जी, अगर मुझे ज़रा भी पता होता, तो मैं कल शाम 8 बजे ही चला आता। पर आपकी रज़ा नहीं थी, इसलिए इतना नाटक करना पड़ा।

कामिनी यह सुन कर उससे चिपक गई और बोली- राजा, अब मुझे अपनी चुदाई से तृप्त कर दो।

भीम बोला- रानी, तुम चिंता मत करो। मैं तुम्हें 2 दिन तक इतना चोदूंगा कि तुम हिलने लायक भी नहीं रहोगी।

यह सुन कर कामिनी बिस्तर पर चढ़ गई और फिर पैर खोल कर ऐसे बैठ गई, जिससे भीम आकर अपना लंड उसकी चूत में घुसा दे।

कहानी जारी रहेगी।

आपके विचारों का स्वागत है।

कहानी का अगला भाग : [कामिनी की अतृप्त कामाग्नि-3](#)

Other stories you may be interested in

आंटी के साथ चुदाई की सुनहरी रात-1

दोस्तो, मेरा नाम सोनू है. मैं उत्तराखण्ड का रहने वाला हूँ. मुझे सेक्स स्टोरीज पढ़ना काफी पसंद है. मैं अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ. पहले मैं आपको थोड़ा अपने बारे में बता दूँ. मेरी उम्र 24 वर्ष है. मैं फ़िलहाल [...]

[Full Story >>>](#)

न्यूज़ एंकर के साथ बितायी रात-1

भाइयों, भाभियों एवं सभी पाठक पाठिकाओं को प्रियम का बहुत बहुत प्यार। क्षमा चाहता हूँ कि कुछ पारिवारिक जिम्मेदारियों की वजह से बहुत दिनों के बाद मैं अन्तर्वासना पर आपके सम्मुख एक नयी कहानी लेकर आ पाया हूँ। जो पाठक [...]

[Full Story >>>](#)

विदेशी लंड से लहंगा उठाकर चुदी

दोस्तो, मैं सपना जैन एक बार फिर से हाजिर हूँ एक नई कहानी लेकर. अपनी पिछली कहानी टीचर से गांड मरवाकर नम्बर लिए मैंने आपको बताया था कि कैसे मेरे टीचर ने मेरी गांड मार ली थी. वह मेरी [...]

[Full Story >>>](#)

अनजान कुंवारी लड़की संग सुहाना सफ़र

दोस्तो, मेरी दो सेक्स कहानियाँ प्रीति चूत चुदाने को मचल रही थी अनजान लड़की के साथ हसीं रातें काफी समय पूर्व अन्तर्वासना पर प्रकाशित हुई थी. मैं बबलू एक बार फिर आपको अपनी इस साल के शुरुआती दिनों की कामुक [...]

[Full Story >>>](#)

तलाकशुदा का प्यार-1

मेरी कहानियों पे जो प्यार आपका मिलता है वो अभूतपूर्व है, अकल्पनीय है। आप सब का इस प्यार के लिए मैं राहुल श्रीवास्तव दिल से आभार प्रकट करता हूँ आशा है आप अपनी राय कमेंट्स बॉक्स में या ईमेल के [...]

[Full Story >>>](#)

